दो दृष्टिकोण, विपक्षी नेता (राहुल गांधी) तथा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

हाल ही में एक मुद्दा फिर से उभर कर सामने आया है, जो लोकसभा 2024 चुनावों के एक साल बाद फिर चर्चा में है। यह मुद्दा नवंबर 2024 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा चुनावों के संचालन, मतदान और आंकड़ों के प्रकाशन में पारदर्शिता की कमी से जुड़ा है। राहुल गांधी के 7 जून 2025 को प्रकाशित लेख और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कई प्रतिक्रियाएं इस बहस का हिस्सा रही हैं। भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) ने इन आरोपों का खंडन करने में अपेक्षाकृत सक्रिय भूमिका नहीं निभाई है।

8 जून 2025 https://indianexpress.com/article/opinion/columns/rahul-gandhi-writes-match-fixing-maharashtra-10052638/
9 जून 2025 https://indianexpress.com/article/opinion/columns/rahul-gandhi-maharashtra-elecition-commission-10053941/

इन मुद्दों में से कई पर चर्चा की जा सकती है जिनमें वह संदेहास्पद दावा भी शामिल है कि एनडीए ने भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) में नियुक्ति की प्रक्रिया को 'अधिक पारदर्शी (!!!)' बना दिया है: जबकि सच्चाई यह है कि केंद्र की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के नवंबर 2023 के उस फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए जल्दीबाज़ी में एक कानून पारित कर दिया, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) को चयन प्रक्रिया में शामिल किया गया था। लेकिन इस नोट में हम महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा पेश किए गए आंकड़ों में कुछ बुनियादी गलतियों या गड़बड़ियों पर बात करेंगे।

साफ तौर पर कहें तो उन्होंने आंकड़ों को चुनकर पेश किया, कई जगह गलतियां कीं और जो जानकारी सत्ताधारी पार्टी के लिए असहज थी, उस पर चुप्पी साध ली।

चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय के मेडिकल साइंसेज फैकल्टी के पूर्व डीन डॉ. प्यारा लाल गर्ग वह विशेषज्ञ हैं जिन्होंने गणितीय अनुमानों (mathematical extrapolations) के लिए आधार दिया है। **वे 'वोट फॉर डेमोक्रेसी' (VFD) के प्रमुख विशेषज्ञों में से एक हैं और उन्होंने दोनों लेखों की जांच की है। VFD यह प्रारंभिक डेटा पेश करता है:**

1. सबसे पहले ज्यादातर समस्याएं इस वजह से आती हैं कि भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) अपने ही कानून और प्रक्रियाओं के अनुसार कार्रवाई नहीं करता।
2. इसके बाद, नए मतदाताओं को पंजीकृत करने के लिए फॉर्म 6 और दूसरों की शिकायत पर नाम हटाने के लिए फॉर्म 7 की प्रक्रियात्मक जानकारी जनता के लिए उपलब्ध नहीं कराई जाती।
3. मतदान उपकरणों की सुरक्षित देखरेख।
4. नियमों में ऐसे संशोधन करना जो पारदर्शिता, निष्पक्षता और ईमानदारी को नुकसान पहुंचाते हैं।

डॉ. गर्ग: देवेंद्र फडणवीस (आईई, 8 जून 2025) ऐसे आंकड़ों दे रहे हैं जो निर्वाचन आयोग के आधिकारिक रिकॉर्ड से प्रमाणित नहीं हैं।

1. लोक सभा :

2014-19 के लोकसभा चुनावों में वोटरों की संख्या 78.78 लाख बढ़ी है, न कि 63 लाख।

2009-2014 के लोकसभा चुनावों में 78.45 लाख वोटर जुड़े, न कि 75 लाख।

2004-2009 में एक करोड़ वोटर जुड़े (सही बताया गया), लेकिन सही संख्या 99.42 लाख है।

2019-24 के लोकसभा चुनावों में 40.80 लाख वोटर जोड़े गए।

□□□□□: □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□ https://old.eci.gov.in/files/file/10605-schedule-for-generalelection-to-the-legislative-assemblies-of-haryana-and-maharashtra-2019/?do=download
https://ceoelection.maharashtra.gov.in/Downloads/PDF/General-Assembly-Election-2024-Press-Note-15102024.pdf
https://ceoelection.maharashtra.gov.in/Downloads/PDF/Assembly-2024-PressNote.pdf

देवेंद्र फड़नवीस: "2014 से 2019 के बीच 63 लाख नए वोटर जुड़े; 2009 से 2014 के बीच 75 लाख नए वोटर जुड़े; और 2004 से 2009 के बीच 1 करोड़ नए वोटर जुड़े। इसका मतलब है कि 2024 में कुछ खास नहीं हुआ।"

क्या महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री अपने स्रोत बताएंगे?

2. विधानसभा चुनाव:

वर्ष 2004 में

(लोकसभा 2004 से विधानसभा चुनाव 2004 तक वोटरों की संख्या में 29.53 लाख की बढ़ोतरी हुई।)

वर्ष 2009 में

(लोकसभा 2009 से विधानसभा चुनाव 2009 तक वोटरों की संख्या में 30.14 लाख की बढ़ोतरी हुई।)

वर्ष 2014 में

(लोकसभा 2014 से विधानसभा चुनाव 2014 तक वोटरों की संख्या में 27.29 लाख की बढ़ोतरी हुई।)

वर्ष 2019 में

(लोकसभा 2019 से विधानसभा चुनाव 2019 तक वोटरों की संख्या में 11.61 लाख की बढ़ोतरी हुई।)

वर्ष 2024 में

(लोकसभा 2024 से विधानसभा चुनाव 2024 तक वोटरों की संख्या में 40.80 लाख की बढ़ोतरी हुई।)

स्रोत: संबंधित वर्षों के लिए भारत निर्वाचन आयोग (ECI) के सांख्यिकी रिपोर्ट।

क्या महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री अपने स्रोत बताएंगे?

votefordemoc@gmail.com

Dolphy D'souza I +91 98338 84227 | Teesta Setalvad I +91 9967545009
Fr. Frazer Mascarenhas I +91 9324544540 | Khalil Deshmukh I +91 9970265086

3. नवंबर 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत: मतदान के आखिरी घंटे में मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई। **यह बढ़ोतरी प्रति घंटे 5.82% से बढ़कर 7.83% हो गई, यानी लगभग 2% की बढ़ोतरी। इस बढ़ोतरी से लगभग 65.97 लाख वोट ज्यादा पड़े हैं (यह आंकड़ा ECI के डेटा से निकाला गया है)।**

अगर ये ही वोटर 1,00,186 बूथों में बराबर बांट दिए जाएं, तो हर बूथ पर प्रति घंटे 65 से ज्यादा वोट पड़े हैं, जबकि सामान्य मतदान (तेज मतदान समेत) औसतन 56.5 वोट प्रति घंटे होता है। तो क्या देवेंद्र फड़नवीस का ये आंकड़ा ज्यादा नहीं है?

इसके अलावा, यह समझ में नहीं आता कि अगर 5 बजे के **वोटिंग प्रतिशत को ECI ने 6:14 बजे अपलोड कर दिया, तो 6 बजे का वोटर टर्नआउट प्रतिशत अपलोड करने से ECI को किसने या किन चीजों ने रोका? ECI ने 11:45 बजे का वोटिंग प्रतिशत 11:53 बजे तो अपलोड कर दिया।**

देवेंद्र फड़नवीस अपनी लंबी और उलझी हुई सफाई में यह समझाने में नाकाम रहे कि झारखंड विधान सभा के दूसरे चरण के चुनावों में ये (संदिग्ध) घटनाएं क्यों नहीं दिखीं, जबकि वहां मतदान के दिन 5 बजे से 11:45 बजे तक सिर्फ 0.86 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। वैसे भी उस चुनाव में NDA हार गया था!

फड़नवीस तथ्यात्मक रूप से गलत हैं जब उन्होंने महाराष्ट्र के लिए **"लोकसभा 2024 के दूसरे चरण का 5 बजे का आंकड़ा" दिया। सच तो यह है कि ECI ने अभी तक मतदान के दिन राज्यवार वोटर टर्नआउट का आंकड़ा अपलोड नहीं किया है। ECI ने केवल सभी संसदीय क्षेत्रों को मिलाकर कुल 60.96% मतदान का आंकड़ा प्रकाशित किया है। 30 अप्रैल 2024 को अपलोड किया गया बढ़ा हुआ आंकड़ा 66.71% भी सभी क्षेत्रों का प्रतिशत है, सिर्फ महाराष्ट्र का नहीं।**

फड़नवीस तथ्यात्मक रूप से गलत हैं क्योंकि ECI ने अब तक 5 बजे का मतदान प्रतिशत कभी घोषित ही नहीं किया है। लोकसभा चुनावों में ECI ने पहली बार जो आंकड़े जारी किए थे, वे 7 बजे या उसके बाद (7:45 बजे तक) के थे।

देवेंद्र फडनवीस : "ये दावा कि मतदान प्रतिशत अचानक बढ़ा एक बड़ा मजाक है। अगर आखिरी घंटे में प्रतिशत कैसे बढ़ा ये समझना है तो हर घंटे के मतदान दर को देखना होगा। पूरे दिन का औसत मतदान दर 5.83 प्रतिशत प्रति घंटा था। तो आखिर समय में 7.83 प्रतिशत की बढ़ोतरी बताकर आप क्या नया बता रहे हैं? क्या राहुल गांधी को ये पता नहीं कि 5 बजे से 6 बजे के बीच भी मतदान का एक घंटा होता है और जो भी 6 बजे तक बूथ पर लाइन में हो उसे वोट डालने दिया जाता है?"

फड़नवीस की कल्पना, न कि तथ्य:

महाराष्ट्र में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 1,00,186 है। लेकिन इंडियन एक्सप्रेस में बिना तथ्य जांचे छपे अपने लेख में फड़नवीस ने 1.427 लाख बूथ बताए हैं, जो पूरी तरह से उनकी अपनी कल्पना है।

votefordemoc@gmail.com

Dolphy D'souza I +91 98338 84227 | Teesta Setalvad I +91 9967545009
Fr. Frazer Mascarenhas I +91 9324544540 | Khalil Deshmukh I +91 9970265086

फड़नवीस एक बार फिर 6 बजे के बाद डाले गए वोटों को लेकर गलत हैं: उन्होंने जो आंकड़ा (17,70,867 वोट) बताया है, ऐसा कोई आंकड़ा ECI ने अब तक कभी सार्वजनिक नहीं किया है। अगर फड़नवीस के पास ऐसा डेटा है जो जनता के साथ साझा नहीं किया गया, तो यह खुद ECI और मुख्यमंत्री दोनों की पारदर्शिता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। इसके अलावा, फड़नवीस ने सभी बढ़े हुए वोटों को हर बूथ में बराबर बांट दिया, जो किसी भी सांख्यिकीय सिद्धांत के पूरी तरह उलट है।

फड़नवीस ये भी नहीं समझा पाए कि अगर उनके मुताबिक 6 बजे के बाद लाइन में खड़े सभी लोगों ने सिर्फ 18 मिनट 23 सेकंड में वोट डाल दिए, तो फिर ECI ने रात 11:45 बजे तक के अंतिम आंकड़े क्यों नहीं पोस्ट किए?

आखिर आंकड़े और पारदर्शिता के साथ खेल कौन रहा है – फडणवीस या चुनाव आयोग (ECI)???

राहुल गांधी द्वारा उठाए गए इस मुद्दे पर कि मतदाताओं की संख्या कुल वयस्क आबादी (18 और 18+ वर्ष) से भी ज्यादा कैसे हो सकती है- इस पर फडणवीस ने जानबूझकर (या शायद चालाकी से) चुप्पी साध रखी है।
फडणवीस ने गलत तरीके से महाराष्ट्र में युवाओं की मतदाता संख्या 26,46,608 बताई है, जबकि चुनाव आयोग (ECI) ने 20.11.2024 को जारी अधिसूचना क्रमांक ECI/PN/163/2024 के अनुसार यह संख्या 22.21 लाख बताई है।

देवेंद्र फडणवीस: ये सिर्फ महाराष्ट्र में नहीं हुआ है। 2024 लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में, शाम 5 बजे तक मतदान प्रतिशत 60.96% बताया गया था, जो अगले दिन अंतिम आंकड़ा 66.71% हो गया। यानी इसमें 5.75% की वृद्धि हुई। लेकिन क्या आप इस तथ्य को छुपा देंगे क्योंकि आपने वह चुनाव जीत लिया? पहले अंतिम मतदान आंकड़े देर रात आते थे। अब 5 बजे तक का आंकड़ा जारी कर दिया जाता है और अंतिम आंकड़ा अगले दिन आता है…. यहां पर राहुल गांधी का यह दावा है कि मतदाता संख्या में जो वृद्धि हुई, वह सिर्फ 12,000 मतदान केंद्रों तक सीमित थी और ये 85 लोकसभा क्षेत्रों में थे जिनमें से ज्यादातर सीटें NDA के खाते में गईं।

उस लेख के मुताबिक, शाम 6 बजे के बाद कुल 17,70,867 वोट डाले गए। दिनभर के औसत मतदान दर के हिसाब से, देश के 1.427 लाख मतदान केंद्रों पर प्रति मिनट औसतन 97,103.32 वोट डाले गए। इस हिसाब से अगर हम देखें, तो शाम 6 बजे के बाद जितने वोट पड़े, उन्हें डालने में औसतन सिर्फ 18 मिनट और 23 सेकंड का अतिरिक्त समय लगा।"

इसका आंकड़ा 'लोकसत्ता' के 3 दिसंबर 2024 के लेख में भी दी गई है। शाम 6 बजे के बाद कुल 17,70,867 वोट डाले गए। पूरे दिन की औसत मतदान दर के आधार पर देश के 1.427 लाख मतदान केंद्रों पर प्रति मिनट औसतन 97,103.32 वोट डाले गए। इस आधार पर अगर हम शाम 6 बजे के बाद डाले गए वोटों की गणना करें तो यह संख्या डालने में कुल सिर्फ 18 मिनट और 23 सेकंड का अतिरिक्त समय लगता है।"

votefordemoc@gmail.com

Dolphy D'souza | +91 98338 84227 | Teesta Setalvad | +91 9967545009
Fr. Frazer Mascarenhas | +91 9324544540 | Khalil Deshmukh | +91 9970265086

मताधिकार फक्त लोकशाहीसाठी | VOTE FOR DEMOCRACY

वोट फॉर डेमोक्रेसी के लिए नागरिकों के बुनियादी मुद्दे अभी भी ये हैं:

1. **निर्धारित मतदान समय के बाद लाइन में खड़े मतदाताओं का वीडियोग्राफी** करके ईसीआई (ECI) द्वारा सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

2. **लाइन में खड़े मतदाताओं को बांटी गई और घोषित की गई पर्चियों की वीडियोग्राफी करके ईसीआई द्वारा** इसे भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

3. **निर्धारित मतदान समय के आखिर तक डाले गए कुल मतों की वीडियोग्राफी** कर पारदर्शिता के लिए ईसीआई (ECI) द्वारा इसे प्रकाशित किया जाना चाहिए।

4. **मतदान समाप्ति के समय कुल डाले गए मतों की सार्वजनिक घोषणा की वीडियोग्राफी कर** ईसीआई (ECI) द्वारा इसे सार्वजनिक करना चाहिए।

5. **EVM मशीनों की सीलिंग और उनके परिवहन की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कर** ईसीआई (ECI) द्वारा इसे सार्वजनिक रूप से जारी किया जाए।

6. **EVM मशीनों की पूरी अवधि में 'सुरक्षा और निगरानी' की वीडियोग्राफी कर** इसे भी ईसीआई (ECI) द्वारा जारी किया जाना चाहि।

7. **Form 6 (नए मतदाता जोड़ने) और Form 7 (मतदाता हटाने) की प्रक्रिया में अपनाई गई सभी प्रक्रियाओं का** दस्तावेज और प्रक्रिया की जानकारी भी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

वोट फॉर डेमोक्रेसी, मुंबई, 9 जून 2025
https://votefordemocracy.org.in/
मुंबई

votefordemoc@gmail.com

Dolphy D'souza | +91 98338 84227
Fr. Frazer Mascarenhas | +91 9324544540
Teesta Setalvad | +91 9967545009
Khalil Deshmukh | +91 9970265086